Hindi Murli Quiz 19-05-2015

.

Q.1) **Q.वास्तव में यहाँ (संदली पर) बैठना उनको चाहिए जो देही- अभिमानी बन बाप की याद में बैठे। अगर याद में नहीं बैठेंगी तो वह _____ कहला नहीं सकती।**

A. स्टूडेंट
B. बच्ची
C. टीचर
D. ब्राह्मणी

Q.2) **Q.इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -**

A. यहाँ भी आये हैं, कोई तो एकदम फ़िदा होते हैं, कोई सुनकर फिर चले जाते हैं।
B. यह है जिस्मानी यात्रा। भगवानुवाच - मनमनाभव।
C. पतित बने हैं विकार से। बाप कहते हैं काम महाशत्रु है। यह आदि-मध्य-अन्त दु:ख देने वाला है।
D. इस बाबा को बचपन से ही स्वपन आते थे कि हमको विश्व की बादशाही मिलेगी | तब तो यह गाँव का छोरा था |
E. यहाँ जो भी कर्म करते हैं वह विकर्म होता है।

Explanation: तुम्हारे ख्याल-ख्वाब (संकल्प-स्वप्न) में भी नहीं था कि हम विश्व के मालिक बनते हैं।

Q.3) **Q.एक बार की हुई गलती को बार-बार सोचना अर्थात् .....**

A. योगी बनना
B. दाग पर दाग लगाना
C. मंथन करना
D. योद्धे बनना

Q.4) **Q.बाप कहते हैं यह सब भक्ति मार्ग के गपोड़े हैं।बाबा ने यह किस बात के लिए प्रयोग किया है ?**

A. 84 लाख जन्म
B. नेति-नेति
C. नारद
D. मीरा

Q.5) **Match the following**

	Choice	Match
A	जब पढ़ाई से इतना ऊंच पद मिलता है तो कितना अच्छा पढ़ना चाहिए।	बहुत इजी सिर्फ सवेरे आधा-पौना घण्टा पढ़ना है।
B	रचता रचना को जानने से तुम क्या बनते हो	न जानने से तुम क्या बन पड़ते हो?
C	बैरिस्टरी आदि पढ़ते हैं तो अन्दर में रहता है ना - हम भी इम्तहान पास कर फिर यह करेंगे, घर बनायेंगे।	तुमको क्यों नहीं बुद्धि में आता है हम स्वर्ग का प्रिन्स-प्रिन्सेज बनने के लिए पढ़ रहे हैं।
D	सगीर माना ही बाप के हुक्म में चलना है।	बालिग है फिर जो चाहे सो करे। कायदे भी हैं ना।
E	सब कहते हैं - हम लक्ष्मी अथवा नारायण बनेंगे।	अपने अन्दर में देखो - हम लायक हैं? हमारे में कोई विकार तो नहीं हैं ?
F	हम ऐसी-ऐसी सर्विस कर	गरीबों का उद्धार कर उनको स्वर्ग का मालिक बनायेंगे।

Q.6) **Q.बाबा के अनुसार इनमें से डिफिकल्ट अक्षर कौन सा है ?**

A. देही-अभिमानी
B. याद का बल
C. योगबल
D. ड्रामा

Q.7) **Q.बाबा के पास बच्चे आते हैं तो बाबा पूछते हैं _____, ऐसा प्रश्न कोई भी साधू-सन्यासी आदि कभी पूछ न सके।**

A. बाबा पर निश्चय है?
B. सर्विस करते हो?
C. आगे कब मिले हो?
D. अपने को आत्मा समझते हो?

Q.8) **Q.जो अपने को _____ समझते हैं उनकी स्मृति में रहता है कि अभी हम पुरूषोत्तम बन रहे हैं।**

A. ईश्वरीय संतान

B. देवता

C. संगमयुगी

D. आत्मा

Q.9) **Q.रूहानियत जहाँ एकाग्रता है वहाँ स्वत: एकरस स्थिति है। एकाग्रता से संकल्प, बोल और कर्म का व्यर्थ पन समाप्त हो जाता है और समर्थ पन आ जाता है। एकाग्रता अर्थात् एक ही श्रेष्ठ संकल्प में स्थित रहना। जिसएक बीज रूपी संकल्प में सारा वृक्ष रूपी विस्तार समाया हुआ है। एकाग्रता को बढ़ाओ तो सर्व प्रकार की हलचल समाप्त हो जायेगी। सब संकल्प, बोल और कर्म सहज सिद्ध हो जायेंगे। इसके लिए एकान्तवासी बनो।**

A. False

B. True

Q.10) **Q.इनमें से सही वाक्यों का चयन करें-**

A. इन लक्ष्मी- नारायण को भी ज्ञान था कि हमने राजाई कैसे ली | द्वापर के बाद भूल गए |

B. अब बाप कहते हैं शास्त्र आदि जो कुछ पढ़ते हो उन सबको स्मृति में लाओ।

C. अभी तुम्हें अथाह खुशी है कि सर्वशक्तिमान बाप से बल लेकर हम सतयुगी स्वराज्य अधिकारी बनते हैं।

D. जैसा कर्म ऐसा जन्म मिलता है।

E. बाप को याद करो तो याद का बल जमा होगा, याद के बल से तुम सारे विश्व का राज्य ले सकते हो |

Explanation: अब बाप कहते हैं शास्त्र आदि जो कुछ पढ़ते हो उन सबको भूल जाओ। इन लक्ष्मी- नारायण को भी ज्ञान नहीं होगा कि हमने राजाई कैसे ली!